

वनवु ५००
व ५५५

गङ्गा यवनगु
२० वं न देदो
के मात्रिय

खत्रा न्याक
यवियिनि
सावे यवनमि

विनिव के मात्रि
वृषा २० ५५५

म धा
उ
थव यव वन

वृषा २० ५५५
यान के हा ज्ञा
गम न्वृया ना
म नका पुन न

चिना नुहा
वृ ६५२५५

सिद्धि म के
मात्रो वा निव
वृ ५३३

खाना वा ल
के न के मा हा
का न
वृ ६५

तं नमहादिका यममात्रो नयाचु हा दि
हृग ययु र्गा गृह नानम ॥ कि कि कि
शुहिक ल द म र्था ॥ ३ ॥ के अ य ल
प्रतिनय वा न हा ख य हा य ल य य ॥

M-27

धरस्त वजाचार्य सुरत श्री महाविहार

२

यिसाचनवाचकस्थक

हं नमः ॥ वाचनाय शा यथ म्पदिना समावस्य मा
विनदा गद ॥ ॥ गिहिरु स्य ॥ ०० दि स न
युल रुनं स्त म्प त्वादि त्वा स्य व ॥ कलनय थ म न
ह म्प रु ॥ अरु भागवति रु ॥

चरुसिसुचदिरु ॥ खदुयदुनि रुनस्य व ॥ न गिहिरु नि ॥ यिसाचनयन ॥ वाभा न
नाकना नि ॥ ॥ सानि विधि ॥ सुसियुना ॥ यनायाचा कायव ॥ अमरु स प्रवृथयाव
॥ सगा ॥ यनाय र मा न स नि क स य रु विधान ॥ स्म न नाय ॥ ध्रुय ॥ थ न्ना ॥ निह वा ना ॥ क स
लहा ॥ ०० का ॥ य का ॥ विनि ॥ थुखु ना धन स व नाव क थ न्ना ॥ अ वृथयाव स गा का या व ॥
नागिया क गा ॥ या न ३ धन या य वा सि धा नि या सि ॥ ० ॥ ० ॥

धाउः वह ॥ अघादि ॥ दानयमिऊऊ मानस्य सवचिनायसा मिथं सवयदवल माचयनाथं ॥
 यज्जाकारकामनार्थः श्रीमन् श्रीश्रीसिन्धुमिहनालकस्य यवसकाचार्य अघंयमिहनाल
 ॥ यज्जावाइयवा ॥ ध्यः श्रील ॥ शुभुमीयं चामृता ॥ ॐ मां ऊ न घनिनः विलवऊ दहिनासय
 राखयामि ॥ उमिः वेइये सदनितासा मइना ऊकविरुमाः कायादइदमिथविः नमामिच
 यवयिनि ॥ ५ ॥ अदित्य अघ ॥ ललमानिक ॥ धाउमिऊल ॥ वाक ॥ ॐ नमो अदिश्यारा
 ववाहिमुखायः कनिगद्यखरवायः सकम्याज्ञायः विमोखनऊगाय काहवयगायः

यनिद्यवनायः हलनृगतायः आत्य असि नृपूय रुदस्यः अमृतं हवायः ऊऊमानस्यः
हमहयिद्य सांनिर्धः आयु कामनार्थः ॐ दं अं यनिहृत्वा हा ॥ यज ॥ कु इय वा यं ध
कु इय ॥ दु ग नि इ इ ॥ मा वा सा ॥ ॐ मा स व रु रु न वृद्धि या नं सं यदा स्या मि ॥ १ ॥ तु नि

उं न मा आदि ह्या यः ने आ क धिय स व वा व वा क व रु स वा य कालः स म्प या जित यून ऊ मः ता न
ह वि य व न ना स स दान म रुः ल स तिल ऊ ग दि दं कृ य या स्या मि ॥ २ ॥ सा म स के ज य
व ल म्प निः धा उ स स ॥ वा के ॥ उं न मा स मा यः य वा हि स्या यः क वा द म ये ना रु वा यः कृ पू
उ द ह्या जा मा यः कृ मि क न रु मा यः जृ त्य य ना य उं द व ना यः वै सं जा टा यः ऊ वा दि नि रु
य रु द स्यः आय य नि द्य व ना य सा स म न कृ ल य व ना यः ऊ ऊ मा न स्यः ह म ह म रु यि द
नि यः ॐ दं अं य नि हृ त्वा हा ॥ ॥ यज उ य य वा ल ॥ उं सि ना स वा स्य ॥ धृ य आ स व